आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 188 | उज्जैन, शनिवार 31 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

31 मई को एक अद्वितीय इतिहास रचा जाएगा-मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन शनिवार को जम्बूरी मैदान में

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यह बदलते दौर का भारत है। देश विकास की नई परिभाषा लिख रहा है। देश के विकास में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी है। उन्होंने कहा कि सशक्त महिला ही विकसित समाज की धुरी होती है। शनिवार 31 मई को होने वाला विशाल महासम्मेलन नारी शक्ति को समर्पित है और इसके माध्यम से प्रदेश में महिलाओं के कौशल और उनके योगदान को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन के रूप में इस दिन एक अद्वितीय इतिहास रचा जाएगा, जब इस पूरे महासम्मेलन की सभी व्यवस्थाओं का संचालन महिलाएं ही करेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की शाम जंबूरी मैदान में महासम्मेलन के प्रबंधन में संलग्न महिला शक्ति को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन की सभी तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी की रूपरेखा और व्यवस्थाओं का भी मुआयना किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रदेश को देंगे कई सौगातें मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर आयोजन की तैयारियों के लिए नियुक्त की गई महिलाओं से चर्चा की, उन्हें मार्गदर्शन दिया और इस महासम्मेलन के आयोजन की बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए उनका उत्साहवर्धन भी किया। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई के सम्मान में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के महानायक श्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को स्वयं भोपाल आ रहे हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश को कई सौगातें भी देंगे। इसलिए कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहे। सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह चाक-चौबंद रहें और जिन्हें जो कार्य दिया गया है, वे पूरी जिम्मेदारी और लगन से उसका निर्वहन करें।

देवी अहिल्याबाई ने सिखाया कि कुछ कर गुजरने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होनी चाहिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिलाओं को रानी दुर्गावती, लोकमाता देवी अहिल्याबाई और रानी लक्ष्मी बाई के बारे में रोचक जानकारियां देते हुए कहा कि हमारी मातृशक्ति ने न केवल शासन चलाया वरन् देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर भी कर दिया।

डिफेंस प्रोजेक्ट में देरी पर वायुसेना प्रमुख चिंतित, भविष्य के संघर्ष में एयरफोर्स की होगी अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायुसेना प्रमुख अमरप्रीत सिंह ने एक बार फिर से डिफेंस प्रोजेक्ट में लगातार देरी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कि हम यह जानते हुए भी कांट्रैक्ट साइन कर लेते हैं कि सिस्टम समय से नहीं मिलेगा। इससे हमारी रक्षा तैयारियों पर असर पड़ता है।

इससे पहले आठ जनवरी को उन्होंने तेजस विमानों की डिलीवरी में देरी पर कहा था कि 2010 में 40 तेजस का ऑर्डर दिया गया था लेकिन वायुसेना को अब तक ये विमान नहीं मिले हैं।

आइये जानते हैं देश में कौन से अहम डिफेंस प्रोजेक्ट देरी से चल रहे हैं और वायुसेना प्रमुख बार-बार इसको लेकर चिंता क्यों जता रहे हैं।

तेजस विमानों की डिलीवरी- 83 तेजस एमके1ए विमानों का ऑर्डर 2021 में एचएएल को दिया गया।

48,000 करोड़ रुपये में भारत सरकार और एचएएल के बीच हुई थी डील।

मार्च, 2024 में शुरु होनी थी तेजस विमानों की डिलीवरी।

अमेरिका से जी ई 404 इंजन मिलने में देरी के कारण वायुसेना को समय से नहीं मिले विमान।

97 और तेजस विमान वायुसेना को मिलने हैं 83 विमानों की डिलीवरी पूरी होने के बाद।

कोई सरकारी कर्मचारी, तो कोई इंजीनियर; देश से गद्दारी कर पाकिस्तान को दे रहे थे खुफिया जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद अब भारत के अंदर रह रहे ऐसे लोगों की तलाश लगातार जारी है, जो पाकिस्तान के लिए जासूसी का काम कर रहे हैं। पिछले दिनों हरियाणा से ज्योति को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एक बार फिर से पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में राजस्थान, महाराष्ट्र और मेवात से तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई है। राजस्थान में राज्य सरकार के कर्मचारी को ISI के लिए जासूसी करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है।

राज्य के रोजगार विभाग में कार्यरत शकूर खान मंगलियार को सीआईडी और खुफिया एजेंसियों की संयुक्त टीम ने जैसलमेर स्थित उसके कार्यालय से हिरासत में लिया है। मंगलियार पर कांग्रेस से कनेक्शन के भी आसार जताए जा रहे हैं।

फिलहाल अधिकारी मंगलियार और सीमा क्षेत्र के एक कांग्रेसी नेता के बीच संदिग्ध संबंधों को लेकर भी जांच कर रहे हैं। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों ने राजनीतिक संबंधों पर टिप्पणी करने से मना कर दिया है।

सिक्किम में तीस्ता नदी में गिरी टूरिस्ट गाड़ी, एक की मौत और 8 लोग लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले से एक हादसे की खबर सामने आई है। मंगन जिले में 11 पर्यटकों को ले जा रही एक टूरिस्ट गाड़ी तीस्ता नदी में गिर गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, दो घायल हो गए और आठ अन्य लापता हो गए।

रिपोर्टों से पता चलता है कि दुर्घटना गुरुवार रात को हुई जब गाड़ी लाचेन से लाचुंग की ओर जा रही थी। यह पहाड़ी मार्ग पर एक खतरनाक मोड़ पर तीस्ता नदी में लगभग 1,000 फीट नीचे गिर गई, जो एक दुर्घटना वाला इलाका है। इस मामले में अब तक दो गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को बचा लिया गया है और एक शव बरामद किया गया है।

पुलिस अधीक्षक मंगन सोनम देचू भूटिया मामले की जांच करने घटनास्थल पर पहुंचे हैं। उन्होंने बताया है कि 8 पर्यटक अभी भी लापता हैं। घायलों को इलाज के लिए गंगटोक के एसटीएनएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि अभी तक यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि पर्यटक किस इलाके के थे।

उन्होंने बताया कि जानकारी मिलने पर भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सिक्किम पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और चुनौतीपूर्ण इलाके और बिगड़ते मौसम में देर रात बचाव अभियान शुरू किया।

दिल्ली-केरल में भारी बारिश का अलर्ट जारी, यूपी में ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे रही है। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार शाम धूल भरी आंधी चली। वहीं, कुछ घंटों में तेज बारिश की भी अलर्ट जारी की गई है। मौसम विभाग ने दिल्ली-NCR सहित अन्य उत्तर भारत के राज्यों में बारिश और तेज आंधी का अलर्ट जारी किया है।

पंजाब और हरियाणा में गरज के साथ ही भारी बारिश- अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए येलो और शुक्रवार के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। IMD के वैज्ञानिक अखिल श्रीवास्तव ने कहा, देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र - पंजाब और हरियाणा में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर में भी बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि सहित ऑरेंज अलर्ट है। खासकर दिल्ली में आज गरज के साथ बारिश, तेज हवाएं और हल्की बारिश की संभावना है और कल हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है।

केरल के विभिन्न हिस्सों में पेड़ उखड़ गए - भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण बुधवार को केरल के विभिन्न हिस्सों में पेड़ उखड़ गए, निचले इलाकों में जलभराव की समस्या से लोगों को दो-चार होना पड़ा और नदी के किनारे के इलाकों में बाढ़ आ गई। वायनाड जैसे कई पहाड़ी इलाकों में लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा निर्यात में होगी वृद्धि, डीआरडीओ प्रमुख ने फाइटर जेट के निर्माण पर दे दिया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष समीर वी कामत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा निर्यात में वृद्धि होगी, क्योंकि स्वदेशी सैन्य उपकरणों का सफल युद्ध परीक्षण हो चुका है। सीआईआई शिखर सम्मेलन के मौके पर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने भारत के महत्वाकांक्षी पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान (उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान यानी एएमसीए) के डिजाइन और उत्पादन के लिए एक्जीक्यूशन मॉडल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा हाल में दी गई मंजूरी के बारे में भी चर्चा की।

पहलगाम अटैक के 96 घंटे के भीतर ही हमले की फुल तैयारी में थी नेवी, INS विक्रांत से रक्षा मंत्री का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य टकराव के दौरान भारत की तीनों सेनाओं ने अपने पराक्रम का दमखम दिखाया। जहां भारतीय वायुसेना ने हवा से पाकिस्तान को घेर रखा था, तो वहीं भारतीय नौसेना ने पानी के जरिए शिकंजा कस रखा था।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर का एलान 10 मई को हो गया था, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बार-बार यह कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

INS पर दिखे रक्षा मंत्री- इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की एक तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में राजनाथ सिंह भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल युद्धपोत ढ्हस् विक्रांत पर सवार दिख रहे हैं और इस फोटो में नौसेना के अधिकारी और जवान भी उनके साथ दिख रहे हैं।

राजनाथ का बड़ा खुलासा- उन्होंने कहा, समुद्र में तैनात हमारे वेस्टर्न फ्लीट शिप ने

आतंकवादी हमले के 96 घंटों के भीतर, वेस्टर्न और ईस्टर्न कोस्ट पर सरफेस टू सरफेस और सरफेस टू एअर मिसाइलें और टॉरपीडो से कई सफल फायरिंग की।

रक्षा मंत्री ने कहा, लॉन्ग रेंज प्रिसिजन स्ट्राइक ने दुश्मन के खिलाफ हमारी इंटेंट एंड रेडीनेस को भी दिखाया और दुश्मन इसी से डिफेंसिव पोस्चर में आ गया।

हो रहा है गर्व- इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा, आज आईएएनएस विक्रांत पर अपने जांबाज नेवी के जवानों के बीच आकर मुझे बड़ी खुशी हो रही है। मैं भारत की समुद्री शक्ति के गौरव ढ्हस् विक्रांत पर खड़ा हूं, मेरे अंदर खुशी के साथ-साथ एक गर्व और विश्वास का भाव भी है कि जब तक राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा आपके मज़बूत हाथों में है, तब तक भारत को कोई तिरछी निगाहों से देख नहीं सकता।

उन्होंने कहा, आज मैं यहां केवल रक्षा मंत्री के नाते नहीं आया हूं, बल्कि मैं यहां एक कृतज्ञ भारतीय के रूप में आया हूं। मैं आपके समर्पण को नमन करने, आपके शौर्य को सराहने और आपके परिश्रम को सलाम करने आया हूं।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र- राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कह, मैं आप सभी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई देता हूं। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, तो हमारी सेना ने जिस गति, गहराई और स्पष्टता के साथ कार्रवाई की वह अद्भुत था।

पानी को बनाया जा रहा हथियार, सिंधु जल संधि स्थगित होने से बिलबिला उठा पाक; शहबाज शरीफ ने क्यों की गाजा से तुलना?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया है। भारत ने पाकिस्तान के 8 एअरबेस बुरी तरीके से तबाह हुए हैं। अब धीरे-धीरे पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी कबूल कर रहे हैं कि भारत ने उनको बुरी तरीके से युद्ध में परास्त किया है।

इस बीच शहबाज शरीफ ने सिंधु जल संधि की तुलना गाजा से कर दी है। दरअसल, उन्होंने ताजिकिस्तान में गाजा संकट का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुनिया देख रही है कि पारंपरिक हथियारों के उपयोग के कारण गाजा में क्या स्थिति हुई है। उन्होंने कहा कि यह काफी नहीं था अब हम एक नए खतरनाक स्तर को देख रहे हैं, जिसमें पानी को हथियार के तौर पर उपयोग किया जा रहा है।

पानी को हथियार के तौर पर किया जा रहा इस्तेमाल- पाकिस्तानी अखबार द डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, सिंधू जल संधि पर पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत पानी को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रह है। उन्होंने फिर से गिदड़भभकी करते हुए कहा कि पाकिस्तान भारत को सिंधु जल समझौते पर लाल निशान पार नहीं करने देगा। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने बड़ा एक्शन लिया था और सिंधू जल संधि को स्थगित कर दिया था। भारत के इस फैसले के बाद पाकिस्तान बैकफुट पर है। दरअसल, पाकिस्तान ने भारत के जवाबी हमले की चोट को स्वीकार कर लिया है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने हाल के दिनों में कई मामलों में कह चुके हैं कि भारत ने पकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया है। वर्तमान में पाकिस्तानी पीएम ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबें में ग्लेशियरों के संरक्षण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शहबाज शरीफ ने इस सम्मलेन को संबोधित करते हुए कहा कि सिंधु बेसिन के पानी कें बंटवारे को नियंत्रित करने वाली सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला एकतरफा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक में खौफ, लाहौर रैली में आतंकी सैफुल्लाह की भारत को गीदड़भभकी; सिक्योरिटी में लगे रहे ISI अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की कथनी और करनी में कितना फर्क है, इसकी एक बानगी लाहौर में उस वक्त देखने को मिली, तब लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर सैफुल्लाह कसूरी पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की सिक्योरिटी में एक रैली करता देखा गया।

कसूरी का नाम पहलगाम में हुए आतंकी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में शामिल है। बुधवार को हुई कसूरी की रैली में कई मोस्ट वांटेड आतंकवादी, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी

और पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा के स्पीकर मलिक अहमद खान मौजूद थे।

पहलगाम हमले की ली जिम्मेदारी- इस रैली की सुरक्षा में पाकिस्तान की सिक्योरिटी फोर्स तैनात थी। कसूरी के साथ आतंकी हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद भी मंच पर मौजूद था। रैली में सैफुल्लाह कसूरी ने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला। उसने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि हमले का आरोप लगने के बाद से मैं और भी मशहूर हो गया हूं।

कसूरी ने पीएम मोदी के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा, नरेंद्र मोदी को लगता है कि हम गोलियों से डर जाएंगे। यह उनकी भूल है। दरअसल पीएम ने भुज में एक रैली के दौरान कहा था कि पाकिस्तान आतंकवाद को बंद नहीं करेगा तो उसे भारत की गोलियों का सामना करना पड़ेगा।

हाफिज सईद का बेटा भी शामिल- आतंकी हाफिज के बेटे तल्हा सईद ने भी भारत के खिलाफ जहर उगला। उसने कहा कि अल्लाह जिहाद में शामिल लोगों से प्यार करता है। दरअसल पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत की स्ट्राइक के बाद से वहां के आतंकियों में खौफ का माहौल है।

इजरायल में महिला सैनिकों को अब नहीं दी जाएगी ट्रेनिंग, पायलट प्रोग्राम बंद करने का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल में महिला सैनिकों से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक पायलट कार्यक्रम समाप्त कर दिया है। बताया जा रहा है स्वास्थ्य और फिटनेस संबंधी चिंताओं को देखते हुए ऐसा किया जा रहा है। ट्रेनड महिलाओं को लड़ाकू यूनिट में सेवा करनी थी जो दुश्मन के इलाके में पैदल सेना बलों को उपकरण और आपूर्ति पहुंचाती है और घायल सैनिकों को ठीक करती हैं।

जेरूसलम पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने गुरुवार यानि (29 मई) को इसे बंद करने का फैसला लिया।

अब क्या हैं शर्तें- आईडीएफ के अनुसार, लड़ाकू कोर्स से गुजरने वाली महिलाओं का प्रदर्शन मजबूत और उनके पुरुष साथी के बराबर था, लेकिन उनकी शारीरिक और लड़ाकू फिटनेस का लेवल रोल के लिए आवश्यक मानकों से कम था।

महिला पैदल सेना भर्ती के लिए नया पायलट कार्यक्रम मौजूदा छह महीने की योजना को रद करने के बाद अगले साल शुरू होगा। इस बीच, जिन महिलाओं ने कोर्स में दाखिला लिया है, उन्हें सेना में अन्य युद्ध के अवसर प्रदान किए जाएंगे यदि वे जारी रखना चाहें, या यदि वे बदलाव चाहें तो कार्यालय की ड्यूटी पर जा सकती हैं।

पाकिस्तान में फिर कांपी धरती, जोरदार भूकंप के झटकों से दहशत में लोग

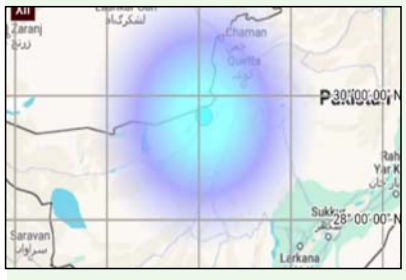

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 4.2 मापी गई है। दो दिनों पहले भी पाकिस्तान में जोरदार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

शुक्रवार को महसूस किए गए भूकंप के तेज झटकों की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर 4.2 थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पाकिस्तान में दोपहर 1 बजकर 37 मिनट पर भूकंप आया था।

कितनी गहराई में था केंद्र- भूकंप का केंद्र जमीन से 180 किलोमीटर की गहराई में था। फिलहाल, किसी तरह के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, लोगों ने जैसे ही भूकंप के झटके महसूस किए, अपने घरों को छोड़कर बाहर आ गए।

क्यों आते हैं भूकंप- हाल के दिनों के देश-दुनिया से भूकंप की कई घटनाएं सामने आई है। हमारी धरती के भीतर 7 टेक्टोनिक प्लेट्स हैं, जो लगातार अपने स्थान पर घुमती रहती हैं। कभी-कभी इनमें टकराव या घर्षण होता है, जिससे भूकंप की घटनाएं होती है।

वित्तीय संकट से जूझ रहा UN! 7 हजार नौकरियों में कटौती करने की तैयारी, अमेरिका को चुकाना है बकाया पैसा

संयुक्त राष्ट्र में जल्द ही हजारों लोगों की नौकरियां छिनी जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र सचिवालय अपने 3.7 बिलियन डॉलर के बजट में 20 प्रतिशत कटौती करने और लगभग 6,900 नौकरियों में कटौती करने की तैयारी कर रहा है।

बता दें कि यह निर्देश आर्थिक संकट के बीच आया है, जिसकी वजह संयुक्त राज्य अमेरिका है।

अमेरिका पर संयुक्त राष्ट्र का कितना पैसा है बकाया- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में यू.एस. विदेशी सहायता में कटौती के अलावा, यू.एन. मानवीय एजेंसियों को नुकसान पहुंचाया है, अमेरिका पर वित्त वर्ष के लिए संयुक्त राष्ट्र का लगभग 1.5 बिलियन डॉलर बकाया है।

यू.एन. नियंत्रक चंद्रमौली रामनाथन ने इसके लिए यू.एस. की विफलता का हवाला नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कटौती मार्च में शुरू की गई समीक्षा का हिस्सा है जिसे यूएन80 कहा जाता है।

कब से होगी कटौती- रामनाथन ने कहा, यह सुनिश्चित करने की एक महत्वाकांक्षी कोशिश है कि संयुक्त राष्ट्र 21वीं सदी का समर्थन करने, मानवीय पीड़ा को कम करने और सभी के लिए बेहतर जीवन और भविष्य बनाने के उद्देश्य के लिए सही है। उन्होंने आगे कहा, मैं इस सामूहिक प्रयास के लिए आपके सहयोग पर भरोसा करता हूं जिसकी आक्रामक समयसीमा को मान्यता दी गई है।

कर्मचारियों को ट्रांसफर करने की बात - बता दें कि नौकरी में कटौतियां 1 जनवरी से प्रभावी होंगी, जो अगले बजट चक्र की शुरुआत है। वहीं इस महीने संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों को सार्वजनिक ब्रीफिंग में, महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि वह एक बड़े बदलाव पर विचार कर रहे हैं जो प्रमुख विभागों को विलय करेगा और दुनिया भर में संसाधनों को ट्रांसफर करेगा।

समय आ गया है, रूसी विदेश मंत्री ने Russia-China-India के रिश्तों पर दिया जोर; बोले- मैं फिर से...

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के विदेश मंत्री ने रूस, भारत, चीन संबंध को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रूस-भारत-चीन ढांचे को फिर से सक्रिय करने में रुचि दिखाई है। रूस की सरकारी एजेंसी TASS के हवाले से लावरोव ने कहा, मैं रूस, भारत, चीन के प्रारूप में काम को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने में हमारी रुचि को जाहिर करना चाहूंगा, जिसकी स्थापना कई साल पहले (पूर्व रूसी प्रधान मंत्री) येवगेनी प्रिमाकोव की पहल पर हुई थी।

20 से ज्यादा बैठक आयोजित- रूसी विदेश मंत्री ने आगे कहा, इस समूह ने तब से लेकर अब तक न केवल विदेश नीति प्रमुखों के स्तर पर, बल्कि तीनों देशों की अन्य आर्थिक, व्यापार और वित्तीय एजेंसियों के प्रमुखों के स्तर पर भी 20 से अधिक बार मंत्रिस्तरीय बैठकें आयोजित की हैं। बता दें कि लावरोव ने यह बात रूस के पर्म शहर में यूरेशिया (यूरोप और एशिया) में सुरक्षा और सहयोग पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान कही है।

नाटो को लेकर भी दिया बयान- लावरोव ने कहा, अब तक जैसा कि मैं समझता हूं, भारत और चीन के बीच सीमा पर स्थिति को कैसे आसान बनाया जाए, इस पर समझ बन गई है। उन्होंने कहा कि इसलिए RIC को फिर से एक्टिव करने का समय आ गया है। साथ ही उन्होंने आगे नाटो पर भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- नाटो भारत को चीन विरोधी साजिशों में फंसाने की खुलेआम कोशिश कर रहा है।लावरोव ने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत भी इस बात को समझता है और नाटो की इस साजिश को एक बड़ी उकसावे वाली बात के रूप में देखता है।

PAK को दिए हथियार क्यों हो गए फुस्स? PL-15E का जिक्र होते ही घबरा गए चीनी डिफेंस प्रवक्ता; भारत का नाम आते ही साध ली चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन्स और मिसाइल के जरिए हमला करने की कोशिश की थी, इस हमले में पाकिस्तान ने चीन से खरीदे गए हथियारों का इस्तेमाल किया था। इनमें से कुछ मिसाइल तो टारगेट पर पहुंचकर फुस्स हो गए थे और फटे ही नहीं।

इन हथियारों में चीन का PL-15E रडार संचालित बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल भी शामिल था, जिसे पाकिस्तान ने भारत पर हमले के लिए इस्तेमाल किया था। लेकिन यह मिसाइल भी फटा नहीं।

भारतीय सेना के पास है PL-15E- फिलहाल यह मिसाइल भारतीय सेना के हवाले है। लेकिन चीन को यह बात हजम नहीं हो रही है कि उसका कथित तौर पर सुपर ब्रांड का मिसाइल नाकाम रहा। इसे लेकर जब चीन की सेना से सवाल पूछे गए, तो उनके पास जवाब देने के लिए कुछ नहीं था।

चीन की सेना को सवाल का जवाब नहीं सूझा तो वे डिप्लोमेसी का ज्ञान देने लगे। भारत-पाकिस्तान तनाव को 20 दिन गुजर चुके हैं, लेकिन चीन के पास अभी तक इसका कोई जवाब नहीं है।

PL-15E को सबसे एडवांस रॉकेट बताता है चीन- PL-15E को चीन अपना सबसे एडवांस रॉकेट बताता है और जब चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सीनियर कर्नल झांग जियाओगांग से पत्रकारों ने इस रॉकेट से जुड़ा सवाल किया तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा, आपने जिस मिसाइल का उल्लेख किया है, वह एक निर्यात किया जाने वाला हथियार है और इसे कई बार देश-विदेश में रक्षा प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया जा चुका है।

भारत के वीर सपूतों को UN ने मरणोपरांत दिया डैग हैमरस्कजोल्ड, कौन हैं ब्रिगेडियर अमिताभ और हवलदार संजय, जिन्हें मिला सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ब्रिगेडियर अमिताभ झा और हवलदार संजय सिंह को डैग हैमरस्कजोल्ड सम्मान से सम्मानित किया गया। ये सम्मान उन्होंने मरणोपरांत दिया गया है। वे शांति मिशनों में अपनी सेवा के दौरान शहीद हुए। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने गुरुवार को न्यूयॉर्क में एक समारोह में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश को ये मेडल सौंपे।

यह समारोह उन शांति सैनिकों के सम्मान में आयोजित किया गया, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र की सेवा में अपनी जान गंवाई। ब्रिगेडियर झा संयुक्त राष्ट्र डिसएंगेजमेंट ऑब्जर्वर फोर्स के कार्यवाहक फोर्स कमांडर थे। NDOF 1973 के युद्ध के बाद इजरायल और सीरिया के बीच युद्धविराम की निगरानी के लिए गोलन हाइट्स में तैनात है।

क्या बोले ह महासचिव एंटोनियो गुटेरेस- गुटेरेस ने कहा, अमिताभ झा ने सीरिया में असद सरकार के पतन के बाद जटिल परिस्थितियों में UNDOF के कार्यवाहक फोर्स कमांडर के तौर पर सेवा दी। उन्हें उनकी नेतृत्व क्षमता और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों के प्रति अटूट समर्पण के लिए याद किया जाएगा।

उन्होंने 2005-06 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में MONUSCO में सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में भी सेवा दी थी।

बेंगलुरु में फिर हुई रोड रेज की घटना, आरोपी ने चबा डाली युवक की उंगली; टूट गई हड्डी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु से एक रोड रेज की घटना सामने आई है जहां सड़क पर जमा बारिश का पानी एक गाड़ी में गिर गया, जिसके बाद एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति की उंगली को काटकर उसे जख्मी कर दिया। घटना 26 मई की रात की है। मगधी निवासी व्यवसायी जयंत शेकर अपनी पत्नी पार्वती और सास मंजुला के साथ होटल से खाना खा कर अपने घर वापस जा रहे थे। इस दौरान उनकी कार से उछलकर सड़क पर पड़ा बारिश का पानी दूसरी गाड़ी में जा गिरा।

आरोपी के साथ मौजूद महिला ने भी किया ड्रामा- इसके बाद दूसरी गाड़ी के ड्राइवर और उसके बगल में बैठी महिला ने शेखर पर चिल्लाना शुरू कर दिया। हालांकि, अनजाने में हुई इस गलती के लिए शेखर ने माफी भी मांगी और अपनी गाड़ी आगे बढ़ा ली।

लेकिन आरोपी यहीं नहीं रुके उन लोगों ने शेखर की गाड़ी का पीछा किया और उसका रास्ता रोककर उस पर चिल्लाना शुरू कर दिया। उस व्यक्ति ने शेखर को नीचे उतरने के लिए मजबूर कर दिया और फिर दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई।

SC के जज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करना यूट्यूबर को पड़ा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ के एक यूट्यूबर ने अपने वीडियो में सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले को अब सुप्रीम कोर्ट ने स्वत संज्ञान में लिया है और यूट्यूबर के खिलाफ अवमानना का मामला शुरू किया है।

क्या है मामला- भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई, न्यायमूर्ति एजी मसीह और न्यायमूर्ति एएस चंदूरकर की अवकाश पीठ ने यूट्यूब चैनल को वीडियो प्रकाशित करने से रोक दिया है और यूट्यूब अजय शुक्ला को आपत्तिजनक पोस्ट हटाने का आदेश दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई जुलाई के लिए निर्धारित की गई है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, व्यापक रूप से प्रकाशित इस तरह के निंदनीय आरोपों से न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचने की संभावना है।

कोर्ट की टिप्पणी- कोर्ट ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। लेकिन, यह स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन है और किसी भी व्यक्ति को ऐसे आरोप लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, जो न्यायालय के न्यायाधीश को बदनाम करने की प्रकृति के हों और अवमाननापूर्ण भी हों।

ऑक्सीजन कम कर दिया, उसे मार डालो..., कोविड महामारी के दौरान डॉक्टर की शर्मनाक करतूत; अब हुआ ऑडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एक बार फिर से कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं और केरल और महाराष्ट्र से ज्यादा मामले सामने आए हैं। इस बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने सबका दिल झकझोर दिया है। महाराष्ट्र में एक सरकारी डॉक्टर ने अपने सहयोगी को एक महिला कोविड मरीज को मार डालने का आदेश दिया था। यह मामला उस वक्त का है जब देश कोविड महामारी के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहा था और सारे अस्पताल भर हुए थे।

सरकारी डॉक्टर का ऑडियो वायरल- सरकारी डॉक्टर और उसके सहयोगी का ऑडिया अब वायरल हो रहा है। महाराष्ट्र की रहने वालीं कौसर फातिमा 2021 में कोरोना पॉजिटिव हो गई थी, जिसे लातूर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस वक्त अस्पतालों में संसाधनों की कमी थी और मरीजों की हालत गंभीर भी थी।

जो ऑडियो वायरल हो रहा है उसके मुताबिक, डॉक्टर शशिकांत देशपांडे उस समय अतिरिक्त जिला सर्जन थे और उन्होंने अपने सहयोगी डॉक्टर शशिकांत डांगे को फोनकर कहा, उस महिला को मार डालों। डॉ. डांगे उस वक्त कौसर फातिमा के पास ही थी और यह बात सुनते ही वह अंदर तक हिल गए।

चुप रहे डॉक्टर डांगे- डॉ. डांगे ने बताया कि उस समय ऑक्सीजन सपोर्ट पहले ही कम कर दिया गया था और इस बातचीत के दौरान जाति आधारित अपशब्द भी इस्तेमाल किए गए। उस वक्त डॉ. डांगे चुप रहे क्योंकि उनकी पत्नी का भी इलाज चल रहा था। हालांकि, कुछ दिनों के बाद कौसर फातिमा ठीक होकर वापस घर चली गई।

दोनों डॉक्टरों के बीच हुई बातचीत का ऑडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिससे कौसर के परिवार वालों को गहरा आघात पहुंचा है। कौसर के पति ने अब पुलि में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस ने कई धाराओं में मामला किया दर्ज- पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉक्टर देशपांडे के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने सहित कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अब पूर्ण क्षमता से काम करेगा सुप्रीम कोर्ट, तीन नए जज हुए शामिल; जस्टिस विजय बिश्नोई ने हिन्दी में ली न्यायाधीश पद की शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंग्रेजी बोलने और सुनने के आदी सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को हिन्दी चली। सुप्रीम कोर्ट के नवनियुक्त न्यायाधीश विजय बिश्नोई ने हिंदी में शपथ ली। गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश पद की शपथ हिन्दी में ली।

जस्टिस बिश्नोई गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद से प्रोन्नत होकर सुप्रीम कोर्ट आएं है लेकिन वे मूलत- राजस्थान के रहने वाले हैं और राजस्थान हाई कोर्ट ही उनका मूल हाई कोर्ट है। राजस्थान हिन्दी भाषी प्रदेश है। जस्टिस विजय बिश्नोई को प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) बीआर गवई ने शपथ दिलाई और जस्टिस गवई ने भी गत 14 मई को सीजेआइ पद की शपथ हिन्दी में ली थी।

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को तीन नये न्यायाधीशों जस्टिस एनवी अंजारिया, जस्टिस विजय बिश्नोई और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर ने सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश पद की शपथ ली। सीजेआइ बीआर गवई ने तीनों न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। तीन में से दो न्यायाधीशों एनवी अंजारिया और अतुल एस चंदुरकर ने अंग्रेजी में पद की शपथ ली जबकि जस्टिस विजय बिश्नोई ने हिन्दी में शपथ ली।

तीन नये न्यायाधीशों के पद गृहण करने के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़ कर 34 हो गई है जो सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण कार्यक्षमता है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआइ को मिला कर न्यायाधीशों के कुल मंजूर पद 34 हैं। तीन नये न्यायाधीशों के आने के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश का कोई भी पद रिक्त नहीं है। हालांकि नौ जून को जस्टिस बेला त्रिवेदी सेवानिवृत होंगी और उसके बाद एक रिक्ति फिर हो जाएगी।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस हृषिकेश राय की सेवानिवृत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के तीन पद रिक्त हो गए थे।

हम लेकर रहेंगे PoK, इसलिए J&K में रिजर्व रखीं हैं सीटें, इंडोनेशिया में पाकिस्तान पर जमकर बरसे सलमान खुर्शीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बीच अब पीओके की मांग फिर से तेज हो गयी है। सत्ता पक्ष ही नहीं विपक्ष से ओर से भी इस मांग को लेकर चर्चा जारी है। इस बीच कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद और उनके साथ इंडोनेशिया गए ऑल पार्टी डेलिगेशन के सदस्यों ने इस मांग की फिर से दोहराया है।

इंडोनेशिया में पाकिस्तान की नापाक हरकतों को बेपर्दा करते हुए सलमान खुर्शीद ने कहा कि भारत ने साफ तौर पर कहा है कि बातचीत तभी हो सकती है जब पाकिस्तान की शांति के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट हो, जिसमें सिंधु जल संधि पर बातचीत भी शामिल है।

हमें पीओके मिलना चाहिए- कांग्रेस नेता ने कहा, भारत की संसद में लंबे वक्त से एक सर्वसम्मत प्रस्ताव है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को फिर से खाली किया जाना चाहिए और भारत को वापस दिया जाना चाहिए और जैसा कि आप जानते हैं कि जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के लिए उस इलाके की कुछ सीटें खाली रखी गई हैं, ये सिर्फ इस कारण खाली रखा गया है क्योंकि यह हमारी लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता है कि ये इलाका हमें वापस मिलना चाहिए।

खुर्शीद ने आगे कहा कि शांति स्थापित करने की कोशिशों को पाकिस्तान ने नकार दिया है, क्योंकि वह सालों से भारत पर हमले करता रहा है।

खुर्शीद ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को खत्म करने के लिए कई कदम उठाए और उसके बाद उनके जवाबी हमले को भारत ने बेअसर कर दिया।

पाक के हमले को हमने की किया बेअसर- उन्होंने कहा, इसलिए यह साफ हो गया है कि अब हम कई कदम उठा रहे हैं, हमने जो कदम उठाए हैं, उन्हें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को खत्म करने के लिए गतिशील कदम कहा जाता है, जो कि हमने पहली चीज की है। और फिर जब आगे कोई जवाबी कार्रवाई हुई तो हमने उस जवाबी कार्रवाई का जवाब उस आधार को बेअसर करके दिया, जिससे जवाबी कार्रवाई आ रही थी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थी

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव प्रचार में किए गए वादों को पूर्ण करने में तेजी से जुटे हुए हैं...

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ का हर देश यह महसूस कर रहा है कि, डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाने से वे अपने चुनाव प्रचार में किए गए वादों को पूर्ण करने में तेजी से जुटे हुए हैं,अगर हम ट्रंप के चुनावी प्रचार की करीब-करीब हर सभा को देखें तो उसमें उन्होंने अमेरिकी फर्स्ट, टैरिफ, यूक्रेन-रूस युद्ध विराम, हमास-इजरायल युद्ध विराम सहित अनेको ऐसे वादे किए थे जो अमेरिका को फिर नंबर वन पर लाने में सहायक सिद्ध होंगे। पूरी दुनियाँ देख रही है कि ट्रंप अपने किए गए वादों को, एक के बाद एक पूरा करते हुए चले जा रहे हैं। इसी कड़ी में नए स्टूडेंट्स के लिए अमेरिका वीजा रोकने का फैसला भी देखा जा रहा है। मेरा मानना है कि अगर विदेशी छात्रों को अमेरिका पढ़ने के लिए आने के लिए रोकेंगे तो,स्थानीय छात्रों को अधिक मौका मिलेगा जिससे अमेरिका फर्स्ट का वादा पूरा होगा। दूसरे एंगल से अगर हम देखें तो हमने कई मौका पर अनेक विवादों में अमेरिका में पढ़ने आए विदेशी छात्रों द्वारा दूतावासों पर जाकर प्रदर्शन आंदोलन कर माहौल खराब करने की कोशिश की जाती है, जिसका संज्ञान शायद ट्रंप साहब ने लिया होगा। कुल मिलाकर इस फैसले से आंदोलनप्रदर्शन आतंकवाद समर्थन पर रोक तथा अमरीक फर्स्ट दोनों लक्ष्यों का आभास होता है, हालांकि यह रोक टेंपवरी है जब इसे कंटिन्यू किया जाएगा तो, वीजा की चाहना रखने वाले छात्रों को सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर 2019 से अपने रिकार्ड को दिखाने की शर्त हो सकती है,जो रेखांकित करने वाली बात है।चूँकि अमेरिका ने दुनियाँ भर में अपने दूतावासों पर नए स्टूडेंट वीजा के लिए इंटरव्यू पर रोक लगाई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका में छात्र वीज़ा पर रोक आतंकवादी या कट्टरपंथी संगठनों के छात्र बहरूपिया में आने से रोकना? या अमेरिकी फर्स्ट नीति का हिस्सा हो सकता है?

साथियों बात अगर हम अमेरिका द्वारा छात्र वीजा पर रोक लगाने को समझनें करें तो,अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को छात्र और विनिमय आगंतुक वीजा के लिए नई नियुक्तियां निर्धारित करना बंद करने का निर्देश दिया, जबकि अमेरिकी विदेश विभाग अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सोशल मीडिया स्क्रीनिंग का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है। विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, हम अपने वीज़ा स्क्रीनिंग और जांच में सभी उपलब्ध जानकारी का उपयोग करते हैं। हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस सामग्री को आपत्तिजनक माना जा सकता है, लेकिन वीज़ा आवेदकों से उनके फ़ॉर्म पर 2019 से लेकर अब तक की सोशल मीडिया जानकारी देने के लिए कहा गया है।विदेश मंत्री का यह आदेश ट्रम्प प्रशासन द्वारा हार्वर्ड विश्वविद्यालय को कथित यहूदी विरोधी भाषण और गाजा में इजरायल की कार्रवाई की आलोचना को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए दंडात्मक निशाना बनाये जाने के बीच आया है। हाल के वर्षों में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका को चुनने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, तथा अब अमेरिका कनाडा के बाद दूसरे स्थान पर हैं,जिन लोगों ने पहले ही इंटरव्यू अप्वाइंटमेंट स्लॉट बुक कर लिए थे, उन पर इस फैसले का कोई असर नहीं होगा।

अमेरिका का ये निर्णय ऐसे समय पर आया है, जब राष्ट्रपति ट्रंप की सरकार विदेशी छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट की सख्ती से जांच के लिए नियम बनाना चाहती है। इस फैसले से बहुत से छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।आदेश में साफ तौर पर कहा गया है कि सिर्फ नई बुकिंग शेड्यूल नहीं करनी है। लेकिन जिन लोगों ने पहले से ही अप्वाइंटमेंट बुकिंग की हुई है, वे वीजा इंटरव्यू दे सकते हैं और उसे पास कर स्टूडेंट वीजा हासिल कर सकते हैं। इस तरह पहले से बुकिंग रखने वाले छात्रों को राहत है।

अहिल्याबाई होल्कर

महारानी अहिल्याबाई होल्कर मल्हारराव होल्कर के पुत्र खंडेराव की पत्नी थीं। अहिल्याबाई किसी बड़े राज्य की रानी नहीं थीं, लेकिन अपने राज्य काल में उन्होंने जो कुछ किया वह आश्चर्यचकित करने वाला है। वह एक बहादुर योद्धा और कुशल तीरंदाज थीं। उन्होंने कई युद्धों में अपनी सेना का नेतृत्व किया और हाथी पर सवार होकर वीरता के साथ लड़ीं।

जीवन परिचय

अहिल्याबाई का जन्म 31 मई सन् 1725 में हुआ था। अहिल्याबाई के पिता मानकोजी शिंदे एक मामूली किंतु संस्कार वाले आदमी थे। इनका विवाह इन्दौर राज्य के संस्थापक महाराज मल्हारराव होल्कर के पुत्र खंडेराव से हुआ था। सन् 1745 में अहिल्याबाई के पुत्र हुआ और तीन वर्ष बाद एक कन्या। पुत्र का नाम मालेराव और कन्या का नाम मुक्ताबाई रखा। उन्होंने बड़ी कुशलता से अपने पति के गौरव को जगाया। कुछ ही दिनों में अपने महान् पिता के मार्गदर्शन में खण्डेराव एक अच्छे सिपाही बन गये। मल्हारराव को भी देखकर संतोष होने लगा। पुत्र-वधू अहिल्याबाई को भी वह राजकाज की शिक्षा देते रहते थे। उनकी बुद्धि और चतुराई से वह बहुत प्रसन्न होते थे। मल्हारराव के जीवन काल में ही उनके पुत्र खंडेराव का निधन 1754 ई. में हो गया था। अतः मल्हार राव के निधन के बाद रानी अहिल्याबाई ने राज्य का शासन-भार सम्भाला था। रानी अहिल्याबाई ने 1795 ई. में अपनी मृत्यु पर्यन्त बड़ी कुशलता से राज्य का शासन चलाया। उनकी गणना आदर्श शासकों में की जाती है। वे अपनी उदारता और प्रजावत्सलता के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके एक ही पुत्र था मालेराव जो 1766 ई. में दिवंगत हो गया। 1767 ई. में अहिल्याबाई ने तुकोजी होल्कर को सेनापति नियुक्त किया।

निर्माण कार्य

रानी अहिल्याबाई ने भारत के भिन्न-भिन्न भागों में अनेक मन्दिरों, धर्मशालाओं और अन्नसत्रों का निर्माण कराया था। कलकत्ता से बनारस तक की सड़क, बनारस में अन्नपूर्णा का मन्दिर , गया में विष्णु मन्दिर उनके बनवाये हुए हैं। इन्होंने घाट बँधवाए, कुओं और बावड़ियों का निर्माण करवाया, मार्ग बनवाए, भूखों के लिए सदाव्रत (अन्नक्षेत्र) खोले, प्यासों के लिए प्याऊ बिठलाई, मंदिरों में विद्वानों की नियुक्ति शास्त्रों के मनन-चिंतन और प्रवचन हेतु की। उन्होंने अपने समय की हलचल में प्रमुख भाग लिया। रानी अहिल्याबाई ने इसके अलावा काशी, गया, सोमनाथ, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारिका, बद्रीनारायण, रामेश्वर, जगन्नाथ पुरी इत्यादि प्रसिद्ध तीर्थस्थानों पर मंदिर बनवाए और धर्म शालाएं खुलवायीं। कहा जाता है कि रानी अहिल्याबाई के स्वप्न में एक बार भगवान शिव आए। वे भगवान शिव की भक्त थीं और इसलिए उन्होंने 1777 में विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण कराया।

शिव जी की भक्त

उनका सारा जीवन वैराग्य, कर्त्तव्य-पालन और परमार्थ की साधना का बन गया। भगवान शिव की वह बड़ी भक्त थीं। बिना उनके पूजन के मुँह में पानी की बूंद नहीं जाने देती थीं। सारा राज्य उन्होंने शंकर को अर्पित कर रखा था और आप उनकी सेविका बनकर शासन चलाती थी। संपति सब रघुपति के आहि–सारी संपत्ति भगवान की है, इसका भरत के बाद प्रत्यक्ष और एकमात्र उदाहरण शायद वही थीं। राजाज्ञाओं पर हस्ताक्षर करते समय अपना नाम नहीं लिखती थीं। नीचे केवल श्री शंकर लिख देती थीं। उनके रुपयों पर शंकर का लिंग और बिल्व पत्र का चित्र अंकित है ओर पैसों पर नंदी का। तब से लेकर भारतीय स्वराज्य की प्राप्ति तक इंदौर के सिंहासन पर जितने नरेश उनके बाद में आये सबकी राजाज्ञाऐं जब तक की श्रीशंकर आज्ञा जारी नहीं होती, तब तक वह राजाज्ञा नहीं मानी जाती थी और उस पर अमल भी नहीं होता था। अहिल्याबाई का रहन-सहन बिल्कुल सादा था। शुद्ध सफ़ेद वस्त्र धारण करती थीं। जेवर आदि कुछ नहीं पहनती थी। भगवान की पूजा, अच्छे ग्रंथों को सुनना ओर राजकाज आदि में नियमित रहती थी।

शांति और सुरक्षा की स्थापना

शासन की बागडोर जब अहिल्याबाई ने अपने हाथ में ली, राज्य में बड़ी अशांति थी। चोर, डाकू आदि के उपद्रवों से लोग बहुत तंग थे। ऐसी हालत में उन्होंने देखा कि राजा का सबसे पहला कर्त्तव्य उपद्रव करने वालों को काबू में लाकर प्रजा को निर्भयता और शांति प्रदान करना है। उपद्रवों में भीलों का ख़ास हाथ था। उन्होंने दरबार किया और अपने सारे सरदारों और प्रजा का ध्यान इस ओर दिलाते हुए घोषणा की–जो वीर पुरुष इन उपद्रवी लोगों को काबू में ले आवेगा, उसके साथ मैं अपनी लड़की मुक्ताबाई की शादी कर दूँगी। इस घोषणा को सुनकर यशवंतराव फणसे नामक एक युवक उठा और उसने बड़ी नम्रता से अहिल्याबाई से कहा कि वह यह काम कर सकता है। महारानी बहुत प्रसन्न हुई। यशवंतराव अपने काम में लग गये और बहुत थोड़े समय में उन्होंने सारे राज्य में शांति की स्थापना कर दी। महारानी ने बड़ी प्रसन्नता और बड़े समारोह के साथ मुक्ताबाई का विवाह यशवंतराव फणसे से कर दिया।

इसके बाद अहिल्याबाई का ध्यान शासन के भीतरी सुधारों की तरफ गया। राज्य में शांति और सुरक्षा की स्थापना होते ही व्यापार-व्यवसाय और कला-कौशल की बढ़ोत्तरी होने लगी और लोगों को ज्ञान की उपासना का अवसर भी मिलने लगा। नर्मदा के तीर पर महेश्वरी उनकी राजधानी थी। वहाँ तरह-तरह के कारीगर आने लगे ओर शीघ्र ही वस्त्र-निर्माण का वह एक सुंदर केंद्र बन गया।

राज्य के विस्तार को व्यवस्थित करके उसे तहसीलों और ज़िलों में बाँट दिया गया ओर प्रजा की तथा शासन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तहसीलों और ज़िलों के केंद्र क़ायम करके जहाँ-जहाँ आवश्यकता प्रतीत हुई, न्यायालयों की स्थापना भी कर दी गई। राज्य की सारी पंचायतों के काम को व्यवस्थित किया और न्याय पाने की सीढियाँ बना दी गईं। आख़िरी अपील मंत्री सुनते थे। परंतु यदि उनके फैसले से किसी को संतोष न होता तो महारानी खुद भी अपील सुनती थी।

सेनापति के रूप में

मल्हारराव के भाई-बंदों में तुकोजीराव होल्कर एक विश्वासपात्र युवक थे। मल्हारराव ने उन्हें भी सदा अपने साथ में रखा था और राजकाज के लिए तैयार कर लिया था। अहिल्याबाई ने इन्हें अपना सेनापति बनाया और चौथ वसूल करने का काम उन्हें सौंप दिया। वैसे तो उम्र में तुकोजीराव होल्कर अहिल्याबाई से बड़े थे, परंतु तुकोजी उन्हें अपनी माता के समान ही मानते थे और राज्य का काम पूरी लगन ओर सच्चाई के साथ करते थे। अहिल्याबाई का उन पर इतना प्रेम और विश्वास था कि वह भी उन्हें पुत्र जैसा मानती थीं। राज्य के काग़ज़ों में जहाँ कहीं उनका उल्लेख आता है वहाँ तथा मुहरों में भी खंडोजी सुत तुकोजी होल्कर इस प्रकार कहा गया है।

महिला सशक्तीकरण की पक्षधर

भारतीय संस्कृति में महिलाओं को दुर्गा और चण्डी के रूप में दर्शाया गया है। ठीक इसी तरह अहिल्याबाई ने स्त्रियों को उनका उचित स्थान दिया। नारीशक्ति का भरपूर उपयोग किया। उन्होंने यह बता दिया कि स्त्री किसी भी स्थिति में पुरुष से कम नहीं है। वे स्वयं भी पति के साथ रणक्षेत्र में जाया करती थीं। पति के देहान्त के बाद भी वे युध्द क्षेत्र में उतरती थीं और सेनाओं का नेतृत्व करती थीं। अहिल्याबाई के गद्दी पर बैठने के पहले शासन का ऐसा नियम था कि यदि किसी महिला का पति मर जाए और उसका पुत्र न हो तो उसकी संपूर्ण संपत्ति राजकोष में जमा कर दी जाती थी, परंतु अहिल्या बाई ने इस क़ानून को बदल दिया और मृतक की विधवा को यह अधिकार दिया कि वह पति द्वारा छोड़ी हुई संपत्ति की वारिस रहेगी और अपनी इच्छानुसार अपने उपयोग में लाए और चाहे तो उसका सुख भोगे या अपनी संपत्ति से जनकल्याण के काम करे। अहिल्या बाई की ख़ास विशेष सेवक एक महिला ही थी।

पोर्टफोलियो बनाए बैलेंस, इन अलग-अलग स्कीम को करें शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। निवेश के लिए कई तरह से सुरक्षित और असुरक्षित निवेश प्लेटफॉर्म मौजूद है। आपको इन दोनों में ही बचत का थोड़ा-थोड़ा भाग निवेश करने की जरूरत है। लेकिन इससे पहले आपको सैलरी का कुछ हिस्सा सेविंग के रूप में बचाना होगा। निवेश के अलावा भी बाकी अमाउंट को इमरजेंसी फंड के रूप में रखें।

इन स्कीम में करें निवेश

पहले हम कुछ असुरक्षित लेकिन कम जोखिम वाली स्कीम के बारे में बात करेंगे। हम बात कर रहे हैं, म्यूचुअल फंड की। म्यूचुअल फंड में आपको निवेश के लिए कई तरह के फंड ऑफर किए जाते हैं। इनमें इक्विटी से लेकर हाइब्रिड तक शामिल हैं।

ये बात ध्यान देने वाली है कि म्यूचुअल फंड में मिलने वाला रिटर्न शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। म्यूचुअल फंड में न्यूनतम 12 से 14 फीसदी तक रिटर्न मिल जाता है। आप इसमें एसआईपी या एकमुश्त पैसा निवेश कर सकते हैं। आज आप कुछ फंड को 100 रुपये के निवेश के साथ भी शुरू कर सकते हैं। इस निवेश रकम को आप समय के साथ बढ़ा सकते हैं। अगर आप कम जोखिम चाहते हैं, तो हाइब्रिड या डेट फंड का विकल्प का भी चयन कर सकते हैं। निवेश से पहले एक्सपर्ट्स की सलाह जरूर ले।

पोस्ट ऑफिस स्कीम- पोस्ट ऑफिस आज कई अलग-अलग तरह की स्कीम ऑफर करता है। ये सभी स्कीम सुरक्षित मानी जाती है, क्योंकि इसमें गारंटी रिटर्न मिल जाता है। हालांकि ये रिटर्न म्यूचुअल फंड से कम होता है। पोस्ट ऑफिस में सबसे ज्यादा रिटर्न सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम में मिलता है, ये 8 फीसदी से भी ज्यादा है। अगर आप पोस्ट ऑफिस के चक्कर लगाने से बचना चाहते हैं, तो बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट और आरडी को भी चुन सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेस ले- बढ़ते मेडिकल खर्चे को देखते हुए हर व्यक्ति का आज हेल्थ इंश्योरेंस लेना जरूरी है। आप ये हेल्थ इंश्योरेंस किसी भी संस्था, ऐप के माध्यम से ले सकते हैं। कोई भी हेल्थ इंश्योरेंस लेने से पहले इससे जुड़ी जानकारी ध्यानपूर्वक पढ़ लें। इससे जुड़े क्लेम प्रोसेस को भी समझ लें।

आईपीओ की खबर से हस्थ के शेयरों की बढ़ी मांग, अनलिस्टेड मार्केट में 40% तक उछला भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शेयर, फिलहाल मार्केट में लिस्ट नहीं हुए हैं लेकिन उनकी डिमांड तेजी से बढ़ रही है. दरअसल, अनलिस्टेड मार्केट में एनएसई के शेयरों में तेजी से उछाल आया है, और बीते एक महीने में शेयर 40 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं। 15 मई को एनएसई के शेयरों का भाव 1700 रुपये था लेकिन अब कीमत 2399 रुपये पर है।

दरअसल, एनएसई और इसके प्रस्तावित आईपीओ को लेकर आ रही खबरों से निवेशकों के बीच इसके शेयरों की मांग बढ़ रही है, खासकर, जो प्री-आईपीओ बाजार में शेयर खरीदने के लिए दौड़ रहे हैं। इसके अलावा, 6 प्रमुख कारण हैं जो नॉन-लिस्टेड मार्केट में एनएसई के शेयर की कीमत को बढ़ा रहे हैं।

आईपीओ और बोनस शेयर से बढ़ी मांग- एनएसई और रेगुलेटर सेबी के बीच लंबे समय से को-लोकेशन मामले को लेकर विवाद चल रहा है. इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एनएसई ने इस केस के सेटलमेंट के लिए 1,000 करोड़ रुपये की योजना बनाई है। वहीं, सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे भी कह चुके हैं कि एनएसई आईपीओ के आवेदन में ऐसा कुछ नहीं है जिसे सुलझाया न जा सके। इसके अलावा, रिटेल इन्वेस्टर्स के बीच एनएसई के नॉन-लिस्टेड शेयरों की मजबूत मांग इसके हालिया तिमाही नतीजों और 4ञ्1 बोनस एक्शन के बाद बढ़ी है।

चौथी तिमाही में जीडीपी में 7.4% की तेज उछाल, जानिए कितनी हुई प्रति व्यक्ति आय?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के ग्रोथ के आंकड़े जारी कर दिए हैं। चौथी तिमाही यानी जनवरी से मार्च 2025 के दौरान जीडीपी ग्रोथ रेट 7.4% रही है। यह पिछली चार तिमाही में सबसे ज्यादा है। यह इस तिमाही के लिए लगाए गए 6.7 फीसदी के अनुमान से भी काफी अधिक है। हालांकि, पिछले साल की इसी तिमाही में यह दर 8.4 फीसदी रही थी।

केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने शुक्रवार शाम जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े जारी किए। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में वास्तविक जीडीपी की विकास दर 6.5 फीसदी रही है। हालांकि यह पिछले चार वर्षों में सबसे कम है। नॉमिनल रेट पर जीडीपी की विकास दर वित्त वर्ष 2024-25 में 9.8त्न रही।

आंकड़ों के मुताबिक स्थिर मूल्यों पर जीडीपी का आकार 187.97 लाख करोड़ रुपये रहा। नॉमिनल जीडीपी या मौजूदा मूल्यों पर जीडीपी का आकार 330.68 लाख करोड़ रुपये है। मौजूदा मूल्यों पर जीडीपी में 9.5% की वृद्धि हुई है।

ग्रॉस वैल्यू एडेड में सालाना 6.4% ग्रोथ रही है। मौजूदा मूल्यों पर इसमें ग्रोथ रेट 9.5% दर्ज की गई। चौथी तिमाही में जीवीए में 6.8% की वृद्धि हुई नॉमिनल ग्रोथ 9.6% रही है।

सेक्टर के हिसाब से जीडीपी के आंकड़ों को 8 हिस्से में बांटा जाता है। सबसे अधिक 9.4% की ग्रोथ कंस्ट्रक्शन में हुई है। इसमें पिछले साल 10.4% वृद्धि हुई थी। उसके बाद पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, रक्षा और अन्य सेवा क्षेत्र में 8.8% की तुलना में 8.9% की वृद्धि हुई। फाइनेंशियल, रियल एस्टेट और प्रोफेशनल सर्विसेज में 10.3% के मुकाबले 7.2%, ट्रेड, होटल, ट्रांसपोर्ट, कम्युनिकेशन सर्विसेज में 7.5% की तुलना में 6.1%, बिजली, गैस, वाटर सप्लाई में 8.6% की तुलना में 5.9%, कृषि में 2.7त्न के मुकाबले 4.6%, मैन्युफैक्चरिंग में 12.3% की तुलना में 4.5% और माइनिंग में 3.2त्न की तुलना में 2.5त्न की वृद्धि हुई है।

खत्म हुए अनिल अंबानी की कंपनी के बुरे दिन? एक दिन में 16% चढ़े शेयर, पांच साल में भाव 2 से 60 रुपये पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों में आज जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। आज, सप्ताह के आखिरी कारोबारी सत्र में रिलायंस पावर के शेयर 16 फीसदी के उछाल के साथ 60 रुपये के स्तर तक चले गए। इसके साथ ही रिलायंस पावर के शेयरों ने 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर छू लिया।

मई में अब तक शेयर में करीब 30 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है, जबकि पिछले एक साल में रिलायंस पावर के शेयर में 140 प्रतिशत की तेजी दिखा चुके हैं। खास बात है कि मई 2020 में रिलायंस पावर के शेयर 2 रुपये की कीमत पर मिल रहे थे और अब भाव 60 रुपये तक पहुंच चुका है।

रिलायंस पावर के शेयर 52.48 रुपये के स्तर पर खुले और 60.50 रुपये का हाई लगाया और 58 रुपये के स्तर पर बंद हुए। रिलायंस पावर के शेयरों में यह तेजी तिमाही नतीजों और कंपनी द्वारा किए गए कुछ ऐलान के बाद आई है।

कैसे रहे रिलायंस पावर के त्त४ रिजल्ट - 9 मई को रिलायंस पावर ने अपने तिमाही नतीजे जारी किए थे। इसके बाद 28 मई को कंपनी बताया कि उसकी ब्रांच रिलायंस एनयू एनर्जीज को एसजेवीएन से 350 मेगावाट सौलर एनर्जी प्रोजेक्ट और 175 मेगावाट/700 मेगावाट घंटा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए कॉन्ट्रैक्ट लेकर मिला है।

कम हुई महंगाई तो आम आदमी की जेब में बचने लगा पैसा, घरेलू बचत में बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई के कम होने से लोगों की घरेलू बचत बढ़ी है। आरबीआई की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की घरेलू वित्तीय बचत 2023-24 में, ग्रॉस नेशनल डिस्पोजेबल इनकम के 5.1 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले साल कई वर्षों के निचले स्तर पर आ गई थी। दरअसल, हाउसहोल्ड फाइनेंशियल सेविंग में यह बढ़ोतरी अनुकूल आर्थिक दृष्टिकोण और महंगाई के कम होने की वजह से हुई है। आरबीआई की रिपोर्ट में भरोसा जताया गया है कि रिटेल इंफ्लेशन 12 महीने की समय सीमा में RBI के 4 प्रतिशत लक्ष्य के दायरे में रहेगी।

क्या होती है हाउसहोल्ड फाइनेंशियल सेविंग- दरअसल, हाउसहोल्ड फाइनेंशियल सेविंग, किसी परिवार की आय का वह हिस्सा है जिसे वर्तमान में खर्च करने के बजाय भविष्य के उपयोग के लिए अलग रखा जाता है। इस तरह की बचत में बैंक डिपॉजिट, लोन और इक्विटी इन्स्ट्रूमेंट में निवेश और बीमा पॉलिसियों जैसी फाइनेंशियल एसेट आदि आती है। आरबीआई की रिपोर्ट के अनसार, सकल घरेलू बचत, जीएनडीआई के हिस्से के रूप में, 2023-24 में 30.3 प्रतिशत पर स्थिर रही। इसी अवधि में घरेलू सकल वित्तीय बचत जीएनडीआई के 11.2 प्रतिशत तक बढ़ गई, जो 2022-23 में 10.7 प्रतिशत थी; देनदारियाँ बढ़कर 6.1 प्रतिशत हो गईं। परिणामस्वरूप, शुद्ध घरेलू वित्तीय बचत 4.9 प्रतिशत से बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गई।

इस रिपोर्ट में कहा गया है, ÷बचत-निवेश अंतर 2023-24 के दौरान कम हो गया है÷, इस बदलाव का कारण सरकार द्वारा कम निकासी, परिवारों और नॉन-फाइनेंशियल कॉरपोरेशन की ओर से निवेश की मांग में कमी और वित्तीय निगमों द्वारा बचत में कमी को बताया गया है।

आरबीआई ने कहा कि देश का आर्थिक माहौल सकारात्मक बना हुआ है लेकिन ग्लोबल फाइनेंशियल कंडीशन के चलते ग्रोथ को लेकर सतर्क रुख अपनाया है। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025-26 में बाजार अमेरिकी टैरिफ नीतियों और अन्य द्वारा किए जाने वाले पारस्परिक उपायों के प्रभावों पर बारीकी से नज़र रखेंगे।

28 वर्षों में 12 देशों से आगे निकली भारत की जीडीपी, किस वर्ष किस देश को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की जीडीपी का साइज एक बार फिर चर्चा में है। कारण है नीति आयोग के दो वरिष्ठ अधिकारियों का बयान। करीब तीन दशक पहले भारत की जीडीपी दुनिया में 16वें स्थान पर थी। अब इसके चौथे स्थान पर होने की बात कही जा रही है। इस लेख में जानते हैं कि इस दौरान भारत साल-दर-साल किस तरह आगे बढ़ता गया।

1991 में उदारीकरण के बाद भारत की अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ी। वर्ष 1997 से अब तक यह जीडीपी के मामले में 12 देशों को पीछे छोड़ चुका है। इस वर्ष जापान और 2028 में जर्मनी से भी आगे निकल जाने की उम्मीद है।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने पिछले दिनों एक बयान में कहा कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसके लिए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों का हवाला दिया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

भोपाल रेलवे अस्पताल में डॉक्टर व चीफ ऑफिसर के बीच मारपीट, स्टाफ के काम बंद करने से मरीज परेशान

भोपाल। निशातपुरा स्थित रेलवे अस्पताल में शुक्रवार को उस समय तनावपूर्ण माहौल बन गया, जब बच्चों के डॉक्टर डॉ. मृणाल जोशी और चीफ ऑफिसर सुपरिंटेंडेंट अमर सिंह के बीच तीखी बहस के बाद झूमाझटकी की नौबत आ गई।

घटना के बाद अस्पताल का स्टाफ आक्रोशित हो गया। विरोध कर सभी विभागों में ताले लगा दिए, जिससे इलाज के लिए आए मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।परिजन को नहीं मिला रेफर लेटर

मामला एक रेलकर्मी के बेटे की तबीयत बिगड़ने से शुरू हुआ। बताया गया कि बच्चे का अपेंडिक्स फट गया था। परिजनों ने उसे आपातकालीन स्थिति में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। रेलवे अस्पताल से रेफर लेटर की मांग की।

इस पर परिजनों ने रेलवे अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ मृणाल जोशी से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने रेफर लेटर देने से इनकार कर दिया। परिजनों को वहां से भगा दिया।

कहासुनी से झूमाझटकी

मामला चीफ ऑफिसर अमर सिंह के संज्ञान में आया, तो वे खुद परिजनों के साथ डॉ जोशी से बात करने पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बातचीत के दौरान दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि डॉ जोशी ने अमर सिंह के साथ गाली गलोज करते हुए उन्हें धक्का दे दिया। इससे मामला और बिगड़ गया और दोनों के बीच झूमाझटकी हो गई।

स्टाफ ने किया कार्य बहिष्कार

इस घटना से नाराज होकर अस्पताल स्टाफ ने कार्य बहिष्कार कर दिया। अस्पताल परिसर में सभी विभागों के दरवाजों पर ताले लगा दिए। इसके चलते इलाज के लिए आए मरीज और उनके परिजन परेशान होते रहे। कई मरीजों को घंटों तक इंतजार करना पड़ा, लेकिन उन्हें इलाज नहीं मिल सका।

मरीजों में आक्रोश

अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों और उनके परिजनों में इस अव्यवस्था को लेकर भारी नाराजगी देखी गई। कुछ लोगों ने कहा कि अस्पताल प्रशासन की आपसी लड़ाई का खामियाजा आम मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश में अब 10 जून तक हो सकेंगे तबादले, मंत्रियों की मांग पर बढ़ाई अवधि

भोपाल। प्रदेश में राज्य कर्मचारियों के तबादले अब 10 जून तक हो सकेंगे। मंत्रियों की मांग पर सरकार ने तबादला अवधि को 10 दिन बढ़ा दिया है। इसमें प्रशासनिक और स्वैच्छिक आधार पर तबादले किए जा सकेंगे लेकिन संवर्गवार जो संख्या निर्धारित की गई है उसका पालन करना होगा। पिछली कैबिनेट बैठक के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह सहित अन्य मंत्रियों ने तबादला अवधि बढ़ाए जाने की बात रखी थी।मंत्रियों का कहना था कि जिलों से अभी प्रस्ताव ही नहीं आए हैं, ऐसे में तबादला आदेश जारी नहीं हो सके हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी पक्षों को सुनने के बाद अवधि बढ़ाई जाने पर सहमति जताई थी।

सामान्य प्रशासन विभाग ने तबादला प्रतिबंध अवधि को शिथिल करते हुए अब 10 जून अंतिम तिथि निर्धारित की है।

साथ ही सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित अवधि में प्रशासनिक और स्वैच्छिक आधार पर किए जाने वाले तबादलों को अंतिम रूप दे दिया जाए।उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा विभाग में सर्वाधिक तबादले होने हैं जिनके प्रस्ताव को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सिवनी में लैंडिंग के दौरान ट्रेनी विमान फिसलकर

सिवनी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के सुकतरा रनवे (हवाई पट्टी) में लैंडिंग के दौरान एक ट्रेनी एयरक्राफ्ट क्रैश होने से बच गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दरअसल, हवाई पट्टी पर लैंडिंग करते समय एक प्रशिक्षु विमान अचानक पलट गया।

बताया गया कि संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ। घटना में विमान उड़ा रहा ट्रेनी पायलट बाल-बाल बच गया। विमान रेड बर्ड एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का था। विमान को ट्रेनी पायलट उड़ा रहा था।

लैंडिंग के समय संतुलन बिगड़ने से प्लेन हवाई पट्टी पर पलट गया। गनीमत रही कि इस हादसे में प्लेन में आग नहीं लगी। इससे ट्रेनी पायलट बच गए। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।घटना को छुपाने अधिकारियों ने तिरपाल से ढक दिया विमान रेड बर्ड एविएशन प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों ने आनन-फानन में घटना को छुपाने के लिए रनवे पर पलटे विमान को तिरपाल से ढंक दिया है। विमान में केवल ट्रेनी पायलट ही मौजूद था।

शराब पेटियों से भरा टैंकर पकड़ा, 84 लाख से अधिक है कीमत

शाजापुर। जिले के सुनेरा थाना क्षेत्र की उकावता चौकी पुलिस ने गुरुवार रात शराब की पेटियां से भरा टैंकर पकड़ा है। पुलिस ने 285 पेटी शराब की जब्त की है, जिसकी कीमत 84 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। मामले में उकावता चौकी पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के बाद ग्राम उकावता से गुजर रहे एबी रोड पर वाहन चेकिंग लगाई। सारंगपुर की ओर से आते हुए वाहनों को रोक-रोक कर चेक किया गया। रात करीब 12.35 बजे मुखबिर द्वारा बताया गया संदिग्ध टैंकर आता दिखा।

पुलिस ने रोककर चेक किया। शक होने पर चौकी उकावता लाकर बारीकी से जांच की। इसके बाद टैंकर के अंदर महंगी शराब की पेटियां मिलीं। चालक के पास उचित दस्तावेज भी नहीं थे।

टैंकर के अंदर रॉयल चैलेंज व्हिस्की बॉटल की 112 पेटी व 19 बॉटल, रॉयल स्ट्रांग की 88 पेटियां व 06 बॉटल और रॉयल चैलेंज व्हिस्की क्वार्टर की 58 पेटियां व रॉयल स्ट्रांग व्हिस्की क्वार्टर की 27 पेटियांड इस तरह कुल कुल 285 पेटियां व 25 बॉटल अंग्रेजी शराब मिली।

शराब की सभी बॉटल के साथ ही टैंकर क्रमांक ऋद्ध 19 त्नक्र6328 जब्त कर लिया गया। आरोपी आकाश पिता शिवदास वैष्णव उम्र 28 साल निवासी प्लॉट नंबर 11 शिवनगर जिला जोधपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया गया।

कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक रमेशचन्द्र यादव, सहायक उप निरीक्षक जितेन्द्र दुबे, प्रधान आरक्षक विक्रम सिंह, कैलाश, महेश कुमार, आरक्षक घनश्याम सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, अरुण यादव, रवि चौधरी, अरुण चौधरी, सैनिक बाबूलाल, मांगू सिंह, चालक शैलेन्द्र सिंह तोमर की विशेष भूमिका रही।

कांग्रेस विधायक के अपहृत पोते दिव्यम को पुलिस ने किया सकुशल बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

रायसेन/बेगमगंज। बेगमगंज के ग्राम पलोहा से गुरुवार सुबह रहस्यमय ढंग से लापता हुए कांग्रेस विधायक देवेंद्र पटेल के दो वर्षीय पोते दिव्यम पटेल को पुलिस ने छिंदवाड़ा जिले के तामिया क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया है। इस सनसनीखेज अपहरण कांड में पुलिस ने तीनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों ने मिलकर दिव्यम का अपहरण किया था। इनमें से एक को पुलिस ने बेगमगंज से गिरफ्तार किया, जबकि दो अन्य आरोपी मासूम को लेकर तामिया पहुंचे थे। पुलिस ने तामिया से ही दोनों को दिव्यम सहित पकड़ा।

विधायक के पोते के अपहरण से मच गया था हड़कंप-यह कार्रवाई रायसेन, सिलवानी और बेगमगंज थानों की संयुक्त टीम द्वारा की गई। बेगमगंज के ग्राम पलोहा में विधायक देवेंद्र पटेल के परिवार के घर से दिव्यम का अपहरण गुरुवार सुबह करीब 11 बजे हुआ था। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया था।

मुख्य गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कोई सुराग न मिलने से मामला रहस्यमय बन गया था, लेकिन महज कुछ घंटों में पुलिस ने सूझबूझ के साथ पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया।

एसपी पंकज पांडे के नेतृत्व में पुलिस की 10 टीमें इस मामले की जांच में जुटी थीं। पुलिस डॉग, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने कुछ ही घंटों में मासूम की लोकेशन ट्रेस कर ली।

कुछ ही देर में पुलिस दिव्यम को लेकर ग्राम पलोहा पहुंचेगी, जहां परिवार और ग्रामीणों को उसके सकुशल लौटने की प्रतीक्षा है। पुलिस इस पूरे मामले का जल्द खुलासा करने की तैयारी कर रही है।

संघर्ष, साहस से आगे बढ़ी रीतु आई बस का स्टेयरिंग थाम अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने की दे रही है प्रेरणा

इंदौर। पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर एक कुशल शासिका होने के साथ-साथ एक साहसिक महिला भी थी। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में जो कार्य किये, वह बेमिसाल है। इसी परम्परा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है पिंक आई बस की महिला चालक सुश्री रीतु नरवाले।

एआईसीटीएसएल की पिंक आई बस की चालक सुश्री रीतु नरवाले आज महिलाओं को संदेश दे रही है कि अब महिलाएं भी स्टेरिंग थामकर यात्रियों को सफर कराने के साथ-साथ वह आत्मनिर्भर भी बन सकती है। हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण रीतु ने बचपन में ही तय कर लिया था की उसे नौकरी कर परिवार में हाथ तो बटाना ही है, लेकिन कुछ ऐसा क्षेत्र चुनना है जिसमें पुरूषों का वर्चस्व हो। इस मान से उसे ड्राइविंग का क्षेत्र बेहतर लगा। बस फिर क्या था- रीतु ने पहले दुपहिया वाहन स्कूटर और बाईक चलाना सीखा उसके बाद ऑटो-रिक्शा चलाना भी सीख लिया। इससे उसका आत्मविश्वास बड़ा तो रीतु ने चारपहिया वाहन चलाने का मन बनाया। इसी दौर में उसने इंदौर की स्वयंसेवी संस्था समान सोसायटी में संपर्क किया जो महिलाओं को रियायती दर पर ड्राइविंग का प्रशिक्षण देती है। रीतु ने उक्त सोसायटी में प्रवेश कर कुछ से महिनों में अच्छे कार चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया। उसके बाद तो रीतु ने इंडिका, इनोवा क्रिस्टा महिन्द्रा आदि कारों को चलाना सीख लिया। इसी दौरान रीतु को मेरियट होटल में महिला चालक की नौकरी मिल गई। जहां कस्टमर को एयरपोर्ट से होटल से लाने ले जाने का कार्य था।

तीन वर्ष तक रीतु ने होटल इंड्रस्टी में कार्य किया। इस दौरान उसने भारी वाहन चलाने का लायसेंस प्राप्त कर लिया और अब वह आईशर से लेकर यात्री बस तक चलाने लग गई है। कुछ समय उसने टूरिस्ट बसे भी चलाई। वर्ष-2019 में एआईसीटीएसएल में आई बस चलाने के लिये महिला ड्राइवर की वेकेंसी निकली। रीतु ने वहां संपर्क किया और इंटरव्यू में पास हो गई। आज उस बात को पूरे 6 वर्ष हो गये, तब से रीतु एआईसीटीएसएल की ब्लू आई बस से लेकर पिंक आई बस चला रही है और अन्य महिलाओं को प्रेरित भी कर रही है। रोजाना सुबह 5 बजे वह यूनिफार्म पहनकर एआईसीटीएसएल के विजय नगर डिपो पर पहुंच जाती है।

सुबह 6 से दोपहर दो बजे तक निरंजनपुर चौराहे से राजीवगांधी चौराहे तक सैकड़ो यात्रियों को पिंक आई बस में सफर करा रही है रीतु को शुरू-शुरू में समाज का विरोध का सामना करना पड़ा। लेकिन अब रीतु को कोई दीदी तो कोई बहन जी सम्बोधित करते है। रीतु के काम की प्रशंसा नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव और कलेक्टर श्री आशीष सिंह तक कर चुके है।

रीतु का कहना है कि महिला ड्राइविंग से आत्मविश्वास बढ़ता है और भीतर का डर समाप्त हो जाता है। रीतु महिला ड्राइविंग कर महिलाओं को प्रेरित करने के साथ-साथ अपने बुजुर्ग माता पिता को आर्थिक सहयोग भी कर रही है।

पशुपालन एवं इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के अधिकारियों की संयुक्त बैठक सम्पन्न

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर संभाग में पदस्थ पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों और इंदौर सहकारी दुग्ध संघ के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने उक्त विभागों से संबंधित गतिविधियों, कार्यक्रमों, योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की जिलेवार समीक्षा की। बैठक में श्री सिंह ने निर्देश दिये कि दुग्ध उत्पादन की लक्ष्य पूर्ति को पूरा करने के लिये उन्नत किस्म के पशुधन को बढ़ाया जाये। पशुओं को उन्नत किस्म का आहार दिया जाये। मुख्यमंत्री डेयरी प्लस का समस्थ जिलों में विस्तार किया जाये। साथ ही वृहद स्वावलंबी गौशालाओं के माडल तैयार कर निराश्रित गौवंश का उपयुक्त व्यवस्थापन किया जाये। पशुपालकों को पशुपालन के लिये किसान क्रेडिट कार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित कराये। हितग्राहियों को अधिक से अधिक सुविधाएं दी जाये। बैठक में बताया गया कि देश में दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का तीसरा स्थान है। मध्यप्रदेश में प्रतिदिन 551 लाख किलोग्राम दुग्ध उत्पादन होता है, जो राष्ट्र का 9 प्रतिशत है। प्रदेश में प्रतिदिन प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 644 ग्राम प्रतिदिन है, जबकि राष्ट्रीय औसत 459 ग्राम प्रतिदिन है। प्रदेश में गौवंशी पशु, भैंसवंशीय पशु, बकरे-बकरियां और कुक्कुट पालन ठीक प्रकार से किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में 31 मई को लिखा जाएगा विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया अध्याय

इंदौर। मध्यप्रदेश के लिए 31 मई का दिन एक ऐतिहासिक होगा। इस दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में प्रधानमंत्री श्री मोदी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी 483 करोड़ से बने 1271 नवीन अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की पहली किश्त का अंतरण भी करेंगे

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन- प्रधानमंत्री श्री मोदी इस महासम्मेलन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई को समर्पित डाक टिकट और स्मृति सिक्का जारी करेंगे। इसके साथ ही आदिवासी, लोक एवं पारंपरिक कलाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाली कलाकर को राष्ट्रीय देवी अहिल्याबाई पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी इस अवसर पर देवी अहिल्याबाई के सुशासन, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक योगदान पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक ने किया औद्योगिक क्षेत्र जेतापुर पलासिया एवं निमरानी निरीक्षण

इंदौर। एम.पी.आई.डी.सी. के कार्यकारी संचालक श्री हिमांशु प्रजापति द्वारा आज औद्योगिक क्षेत्र जेतापुर पलासिया एवं निमरानी के साथ-साथ प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र लालबाग बासवी और तारापुर का भ्रमण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री प्रजापति द्वारा विकसित अधोसंरचना की समीक्षा की गई। इस दौरान उनके द्वारा मेसर्स काशिदा अपैरल्स गारमेन्ट फैक्ट्री विजिट की गई यह कंपनी बीबा एवं रंगरीती ब्रांड के लिए वस्त्र निर्माण का कार्य करती है। काशिदा अपैरल्स में मुख्यतः क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्र निमरानी का भी उनके द्वारा निरीक्षण किया गया एवं विगत कुछ समय में उद्योगपतियों द्वारा किए गए निवेदन के अनुसार एमपीआईडीसी द्वारा निमरानी औद्योगिक क्षेत्र में वृहद स्तर का अधोसंरचना के सुधार का कार्य किया गया। जिसकी भी उनके द्वारा समीक्षा की गई। कुछ जगहो पर वर्षाऋतु के पूर्व ड्रेनेज तत्काल सुधार हेतु संबंधितों का निर्देशित किया गया।

श्री प्रजापति द्वारा प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र लालबाग बासवि का भी निरीक्षण किया गया। इस औद्योगिक क्षेत्र के विकास हेतु टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकि है जल्द ही लगभग 200 करोड़ की लागत से 216.72 हेक्टेयर भूमि पर विकास कार्य किए जायेंगे।

किसानों को आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक सलाह देने के लिए प्रारंभ हुआ विकसित कृषि संकल्प अभियान

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने किया वर्चुअली शुभारंभ

इंदौर। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकी और वैज्ञानिक सलाह देने के उद्देश्य से इंदौर जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है। अभियान का वर्चुअली शुभारंभ जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कदवाली बुजुर्ग से किया। राज्य शासन के निर्देश पर चलने वाला यह अभियान 12 जून 2025 तक जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित किया जाएगा। कदवाली बुजुर्ग में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि किसानों के हित में यह बहुत बड़ा अभियान है। इससे उन्हें कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने में मदद मिलेगी। श्री सिलावट ने हाल ही में केंद्र शासन द्वारा किसानों के हित में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

नीलिमा बोरासी: कुश्ती के अखाड़े से महिला सशक्तिकरण की मिसाल

इंदौर। इंदौर की धरती ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि जब संकल्प दृढ़ हो, तो परंपराएं भी नए आयाम गढ़ती हैं। महिला पहलवान नीलिमा बोरासी ने अपने जुनून, संघर्ष और मेहनत से कुश्ती के अखाड़े में ऐसा इतिहास रचा, जो केवल खेल की जीत नहीं, बल्कि समाज की सोच में बदलाव की गूंज भी है।

देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रेरणा बनी आधारशिला- नीलिमा का यह सफर यूं ही नहीं शुरू हुआ। इंदौर की प्राचीन कुश्ती परंपरा, जो देवी अहिल्याबाई होल्कर के समय से चली आ रही है, उनकी प्रेरणा बनी। देवी अहिल्याबाई होल्कर न सिर्फ एक आदर्श शासिका थीं, बल्कि उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण और पारंपरिक खेलों के संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाई। उन्हीं के समय में इंदौर के राजवाड़ा में भव्य दंगलों की शुरुआत हुई थी, जो आज भी जीवंत हैं।

संघर्षों से लेकर सम्मान तक का सफर- नीलिमा बताती हैं कि जब उन्होंने कुश्ती शुरू की थी, तब समाज का रवैया बेहद नकारात्मक था। ÷लड़की होकर कुश्ती? शादी कैसे होगी? लोग क्या कहेंगे? जैसे सवालों और तानों ने उनके परिवार को भी झकझोरा। यहां तक कि मोहल्ले और रिश्तेदारों द्वारा उनके माता-पिता को अपमानित भी किया गया। लेकिन नीलिमा ने हार नहीं मानी। उन्होंने सात-आठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया, मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग से डिप्लोमा प्राप्त किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीनियर नेशनल में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब दिया।

अब वही समाज कहता है - यह तो मेरी बेटी है- नीलिमा आज न सिर्फ एक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी हैं, बल्कि कोच भी बन चुकी हैं। वह अपनी सेवाएं राज्य शासन के खेल एवं युवक कल्याण विभाग को दे रही हैं । उनकी उपलब्धियों को देख आज वही लोग गर्व से कहते हैं - यह तो मेरी बेटी है! जो कभी ताने देते थे, आज गर्व से परिचय कराते हैं।

इंदौर जिले के सभी राजस्व न्यायालयों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने राजस्व अधिकारियों की बैठक में सम्पन्न

इंदौर। इंदौर जिले के राजस्व न्यायालयों की पारदर्शिता और कार्यप्रणाली की निगरानी अब और अधिक सुदृढ़ होगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए हैं कि इंदौर जिले के सभी राजस्व न्यायालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। इन कैमरों के माध्यम से अधिकारियों की उपस्थिति, प्रकरणों की सुनवाई की प्रक्रिया और अन्य गतिविधियों की निगरानी की जाएगी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंहकी अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में अपर कलेक्टर श्री रिकेंश वैश्य, श्री राजेन्द्र रघुवंशी, श्रीमती निशा डामोर, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि यह पहल राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है, जिससे आम नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे बोर्ड रूम में समय पर उपस्थित हों। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी समय पर नहीं पहुंचते, जिससे कार्यों में देरी होती है। इसे रोकने के लिए बोर्ड रूम में भी सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। कैमरा लगाने की प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सख्त निर्देश दिए कि अविवादित नामांतरण के किसी भी प्रकरण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। तीन माह से अधिक लंबित एक भी मामला नहीं रहना चाहिए।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

बारिश से पूर्व शहर में नाले एवं नालियों का सफाई अभियान हुआ तेज

पोकलेन एवं जेसीबी के माध्यम से की जा रहे शहर के बड़े नालों की सफाई

उज्जैन। नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा प्रतिवर्ष बारिश के पूर्व शहर के चिन्हित 118 बड़े नाले एवं नालियों की सफाई का कार्य महाअभियान चलाकर किया जाता है जिससे वार्डों में जल भराव की स्थिति निर्मित नहीं होती है इसी क्रम में निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अमले को निर्देशित किया गया की वर्षा ऋतु आरंभ होने से पूर्व शहर के समस्त वार्ड अंतर्गत प्रमुख बड़े एवं चिन्हित नाले नालियों की सफाई का कार्य प्रारंभ किया जाए जिसके क्रम में शुक्रवार को समस्त 06 जोन अंतर्गत आने वाले वार्डों में प्रमुख नाले, नालियों की सफाई का कार्य किया गया।

नाला सफाई के क्रम में समस्त 6 जोन अंतर्गत उपायुक्त स्वास्थ्य श्री संजेश गुप्ता के नियंत्रण में स्वास्थ्य अधिकारियों ओर स्वास्थ निरीक्षकों के द्वारा अपने अपने जोन अंतर्गत आने वाले वार्डों में जेसीबी मशीन, पोकलेन, छोटी बाबकेट मशीन, नाला गैंग के कर्मचारियों के सहयोग से सफाई कार्य किया गया।

सफाई अभियान अन्तर्गत शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 7 रतन एवेन्यू कॉलोनी का नाला, वार्ड क्रमांक 53 रहवासी क्षेत्र की नालियों, जोन क्रमांक 05 हीरा मिल की चाल बड़ा नाला, जोन क्रमांक 04 वार्ड क्रमांक 37 सिंधी कॉलोनी पानी की टंकी के पास का नाला, वार्ड क्रमांक 46 शास्त्री नगर कॉलोनी उत्कृष्ट स्कूल के सामने नाले, जोन क्रमांक 04 अलकापुरी कच्चे नाले एवं वार्ड क्रमांक 17 ढांचा भवन स्थित नाले की सफाई का कार्य किया गया।

इसी प्रकार जोन क्रमांक 03 अंतर्गत छोटा रुद्र सागर का गहरा नाला जो की महाकाल मंदिर क्षेत्र अंतर्गत आता है उक्त नाले की सफाई का कार्य जेसीबी के माध्यम से एवं कर्मचारियों द्वारा नाले के अंदर उतरकर साफ सफाई का कार्य संपादित किया गया। नालों की सफाई का कार्य निरंतर जारी रहेगा।

इस महंगाई के युग में यदि पेंशन की मात्रा कम हो तो पेंशनर्स का जीना दूभर हो जाता है

प्रदेश सरकार समय पर डी.आर.नहीं दे रही

उज्जैन। पेंशनर्स का एकमात्र सहारा पेंशन ही है। बुढ़ापे में पेंशन संजीवनी से अधिक आवश्यक होती है। इस महंगाई के युग में यदि पेंशन की मात्रा कम हो तो पेंशनर्स का जीना दूभर हो जाता है। विचारणीय है कि कम पैसों में वह कैसे अपनी दिनचर्या चलाएगा और कैसे अपने अनेक रोगों का उपचार करवाएगा?

विगत कई वर्षों से मध्यप्रदेश सरकार अपने पेंशनर्स का डी. आर. पूरा-पूरा नहीं दे रही है। 2019 से यह परंपरा प्रारंभ हुई है और बीच में धारा 49(6) का अड़ंगा लगा दिया जाता है। छत्तीसगढ़ की सहमति का बहाना बनाकर कभी आठ माह का कभी 10 माह का डी.आर. मध्यप्रदेश सरकार डकार जाती है। पहले तो यह बहाना करती थी कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है जो मध्यप्रदेश सरकार की बात सुनती ही नहीं है। वर्तमान में तो दोनों जगह एक ही पार्टी की सरकार है, फिर पेंशनर क्यों परेशान हैं ?

कारण के रूप में कहा जाता है की धारा 49(6) के तहत यह प्रावधान है कि दोनों सरकार एक दूसरे की सहमति से ही पेंशनर्स के डी.आर. का भुगतान करेंगी। सन् 2000 में तीन राज्यों से तीन नए राज्यों का जन्म हुआ था। उत्तरप्रदेश से उत्तराखंड, बिहार से झारखंड और मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़। उक्त चारों राज्यों में तो धारा 49(6) का गतिरोध नहीं है। ऐसे में फिर मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में ही ऐसा क्यों है? पेंशनर्स का कहना है कि दोनों राज्यों की मिलीभगत से पेंशनर्स परेशान हो रहे हैं। जबकि समझौता है कि जब भी केंद्र सरकार अपने पेंशनर्स का डी.आर. बढ़ाएगी, उसी तारीख से मध्यप्रदेश सरकार भी पेंशनर्स को डी.आर.बढ़ाकर देगी। यह मध्यप्रदेश सरकार की मनमानी/ तानाशाही ही कही जाएगी कि यह सरकार समय पर डी.आर.नहीं दे रही है। उदाहरण के रूप में केंद्र सरकार ने 2024 जुलाई में तीन प्रतिशत डी. आर. दिया था। उसे मध्यप्रदेश ने मार्च 2025 में दिया। 08 माह का एरियर खा गई। केंद्र ने जनवरी 2025 में दो प्रतिशत डी. आर. बढ़ाया था, जिसे मध्यप्रदेश सरकार ने अभी तक नहीं दिया। ऐसे में पेंशनर्स आखिर करें भी तो क्या? पेंशनर्स बार-बार ज्ञापन दे-देकर थक गए हैं। खूब प्रदर्शन भी कर चुके हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी से भी मुलाकात कर ली है।

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में एमबीए अध्यात्म स्थल प्रबंधन होगा प्रारंभ - गौरव धाकड़

उज्जैन। विश्वविद्यालय परिसर देवास रोड स्थित महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के विमर्श सभाग्रह में कार्य परिषद बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलगुरु प्रो. विजय कुमार सीजे, उप कुलसचिव प्रो. दिलीप सोनी, कार्य परिषद सदस्य, प्रो. हरीश व्यास, गौरव धाकड़, विश्वास व्यास, सुमीना लिगा, एड गीतांजलि चौरसिया, डॉ. केशरसिंह चौहान, कोष एवं लेखा प्रतिनिधि, उच्च शिक्षा उप संचालक अनिज्वाल व उपस्थित सदस्यों ने बैठक में 6 एजेंडों पर एकमत से सहमति देकर पारित किये।

सेवाधाम आश्रम में भारत शासन राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के सदस्य सुनिल बी. मानसिंहका पहुँचे

उज्जैन। मानव सेवातीर्थ अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में सुनील बी. मानसिंहका सदस्य राष्ट्रीय कामधेनु आयोग भारत शासन, भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड एवं राष्ट्रीय पंचगव्य अनुसंधान समिति नागपुर पहुंचे व आश्रम की गौशाला को देखा एवं यहां गौवंश की निस्वार्थ भाव से हो रही सेवाओं को सराहा। आश्रम में निवासरत 1100 सदस्यीय परिवार से भी मुलाकात की।

आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल से चर्चा कर सेवाधाम गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया इस हेतु राष्ट्रीय कामधेनु आयोग पूर्ण रूप से मदद करेगा, इसकी पूर्ण योजना बनाकर शासन को प्रेषित की जावेगी। गौ प्रोडक्ट आश्रम में निवासरत विशेष बच्चों, युवाओं एवं बुजूर्गों द्वारा बनाए जाएंगे जिसे हमें हस्तशिल्प प्रदर्शनियों के माध्यम से देश-विदेश तक पहुचांने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर डॉ. संजीव वैदिक ट्रीट, बैंगलौर सपरिवार उपस्थित रहे, आश्रम की परम्परानुसार मंगल तिलक, माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया।

हरसिध्दि माता मंदिर में फैला रहे अव्यवस्था, कलेक्टर को शिकायत

दीपमालिका की बुकिग, दर्शन कराने के नाम पर कर रहे अवैध वसूली

उज्जैन। चंद्रकांता नागर, रमीला गुजराती, ममता साहा सहित दो अन्य पुरुषों पर श्री हरसिद्धि मंदिर में अव्यवस्था फैलाने का आरोप हरसिध्दि माता मंदिर के पुजारियों, कर्मचारियों ने लगाया है। कलेक्टर के नाम की शिकायत में कहा कि इन सभी को कई बार मौखिक रूप से समझाने के बाद भी वे अपना राजनीतिक रुतबा दिखाते हुए पुजारी गणों को मंदिर की पूजा-आरती में व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं। कभी-कभी धूप आरती के समय सैकड़ो की तादाद में पब्लिक छोड़ देते हैं। पुजारी गणों द्वारा आपत्ति ली जाती है तो लड़ाई पर उतर जाते हैं और धमकी भी दी जाती है।

30 मई को कलेक्टर को शिकायत करने पहुंचे हरसिध्दि मंदिर के पुजारीगण, कर्मचारियों ने कहा कि चंद्रकांता नागर, रमीला गुजराती, ममता साहा सहित दो अन्य पुरुष पूर्व में भी हमारे खिलाफ झूठे आवेदन देते रहे हैं। जिससे पुजारी गणों की मानसिक शांति भंग होती है। कुछ आसामाजिक महिलाओ ने एक पूजारी पर भी व्यक्तिगत आरोप लगाया गया था

जिसका मंदिर की व्यवस्था से संबंध नहीं है ना ही किसी पूजारी द्वार मंदिर परिसर के अंदर कृत्य किया जाता है जिसमें मंदिर की गरिमा धूरमिल होती है।

पुजारियों, कर्मचारियों ने कहा कि इन लोगों से मंदिर के सारे कर्मचारी परेशान रहते हैं जब कर्मचारियों द्वारा समझाया जाता है एवं सख्ती की जाती है तो उनके खिलाफ झूठे आवेदन दिए जाते हैं। इन लोगों के खिलाफ मंदिर कार्यालय में अवगत कराया पर कार्यालय के कर्मचारी भी उनसे डरते हैं। उक्त व्यक्ति द्वारा मंदिर परिसर में जो दीपमालिका लगती है इसकी बुकिंग भी अवैध रूप से श्रद्धालुओं को प्रलोभन देकर कर लेते हैं और दीपमालिका के पैसे ऐठ लेते हैं एवं दीपमालिका लगाने वाले जो कि विगत 50 सालों से है उनसे भी नगद एवं तेल की मांग करते हैं। कुछ महिलाएं भी है जो मंदिर में अव्यवस्था फैलाने का काम करती है और आरती में यात्रियों को आगे खड़े रखने के पैसे लेती है कर्मचारियों द्वारा उनको समझाया जाता है तो उनके द्वारा झूठी शिकायत कर देने की धमकी दी जाती है।

इनमें से एक व्यक्ति द्वारा एक पुरुष गार्ड एवं एक महिला गार्ड के साथ बत्तमीजी की गई थी और आपत्तिजनक शब्द कहे गए थे जिसकी शिकायत मंदिर कार्यालय में की गई है इन लोगों से कुछ नियमित दर्शनार्थी भी परेशान रहते हैं। उक्त व्यक्ति द्वारा पूर्व मंदिर के प्रशासक श्री जोशी, श्री पाटीदार, श्री सोनी एवं वर्तमान प्रशासक मैडम के साथ भी अभद्रता की गई। पुजारियों, कर्मचारियों ने कहा कि उक्त व्यक्तियो की विगत पन्द्रह वर्षों से कई शिकायतें की गई है, कार्यालय मंदिर समिति द्वारा समझाया गया। बावजूद उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की तर्ज पर इन महिलाएं एवं पुरुष द्वारा आए दिन मंदिर प्रबंध समिति एवं प्रशासनिक अधिकारियों पर बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं जिससे मंदिर की धार्मिक छवि धूरमिल होती है। उक्त व्यक्तियो द्वारा मंदिर समिति के सचिव, कर्मचारी एवं पुजारीगणों को नोटिस दिया गया है इससे जनभावना आहत हुई है और सैकडो नियमित दर्शनार्थियों में आक्रोश है और वे भी उनके खिलाफ उचित कार्यवाही चाहते है। इन महिलाओ को मंदिर समिति द्वार समझाया जाता है तो वे मंदिर समिति के कर्मचारियों को अपने कपड़े फाड़कर थाने में शिकायत करने की धमकी दी जाती है जिससे सभी कर्मचारी परेशान करते हैं।

गुरु अरजन देव जी के शहीदी दिवस पर हुआ समाजसेवी पन्हालकर का सम्मान

उज्जैन। गुरुद्वारा सुख सागर फ्रीगंज में सिख धर्म के 5वें गुरु धन गुरु अरजन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर समाजसेवी मिलिंद पन्हालकर का सम्मान किया गया। श्री गुरु सिंघ सभा के अध्यक्ष स. इकबाल सिंघ जी गांधी ने कहा मिलिंग सिंघजी रिटायर्ड है पर फिर भी इतने उत्साह से गुरबाणी सीखने आए और इसी उत्साह से वह प्रभातफेरी में भी अपना योगदान सेवा द्वारा देते है। विगत चार सालो से मिलिंद अमृत वेळे रोज सुख सागर गुरुद्वारा जाते है। प्रभात फेरीयों मे जाते है।

सिख इतिहास के बारे मे जाना, पंज कांकेर केनम जाणे चारसहेबदेजा नाम जाणे पांज प्यारे जिदे नाम जने पंज तख्टा देनम जाने गुरमति सिखाया पारत एक दो सिखा। इस दौरान स्त्री सत्संग सभा द्वारा श्री सुखमनी साहिब जी का पाठ किया गया एवं शबद कीरतन, लंगर एवं शरबत कि छबील लगाई गई। उसके साथ ही प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी विगत एक माह से चल रहे गुरुद्वारा सुख सागर साहिब फ्रीगंज के गुरमत कैम्प का समापन भी हुआ। गुरमत कैम्प आयोजक अमृत कौर मुछाल ने बताया कि कैम्प में लगभग 50 बच्चो ने भाग लिया था जिसमे गुरमुखी क्लासेस, शबद किरतन, तबला एवं गुरबाणी अनुसार वास्तविक जीवन जिने कि सिखलाई दी गई। इसमें प्रभप्रीत कौर और भवनीत सिंघ का विशेष सहयोग रहा। गुरुद्वारा सुख सागर साहिब फ्रीगंज के अध्यक्ष स. चरणजीत सिंह जी कालरा सहित समाज के वरिष्ठ श्री गुरु सिंघ सभा के अध्यक्ष स. इकबाल सिंघ जी गांधी, पूर्व अध्यक्ष स. दलजीत सिंघ जी अरोरा, समाज के प्रवक्ता एस.एस नारंग जी, स. मंजीत सिंघ जी डंग, कुलदीप कौर जी सलूजा,मनजीत कौर जी भाटिया, हरजीत कौर जी अरोरा, बलबीर सिंघ जी मक्कड़ एवं कुलदीप सिंघ जी अरोरा आदि ने कैम्प में आए बच्चो का पुष्प माला से स्वागत कर पुरुस्कार में मोमेंटो और सम्मान पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com